कान्हा मधुवन में तुम आया न करो

कान्हा मधुवन में तुम आया न करो
जादू भरी बांसुरी बजाया न करो
एक राधिका है प्रेम दीवानी
उसको और सताया न करो
जादू भरी बांसुरी बजाया न करो

सूरत तुम्हारी सलोनी संवारी
सुन बांसुरी को हो गई वानवरी
माखन और चुराया न करो,
जादू भरी बांसुरी बजाया न करो

माथे मुकट गल माला सोहे कानो में कुंडल मन मेरा मोहे
मोहनी रूप बनाया न करो
जादू भरी बांसुरी बजाया न करो

पाव् चले न चली राहो में नींद न आई सोई आँखों में
मुरली की तान सुनाया न करो
जादू भरी बांसुरी बजाया न करो

मीठी मीठी बांसुरी मोहे निहारे
चंदर सखी की विनती सुनो वनवारी
दर्श दिखो देर न करो
जादू भरी बांसुरी बजाया न करो

Source: https://www.bharattemples.com/kanha-madhuvan-me-tum-aya-na-karo/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw